चावल की गुणवत्ता के आनुवंशकि नरि्धारक

[स्रोत: TH]

चीन के वैज्ञानकिों ने **Chalk9** नामक जीन की खोज की है, जो **धान में ??????? (chalkiness)** के लयि ज़मि्मेदार है। यह एक ऐसी वशिषता है जो **दानों को भंगुर (टूटने योग्य) और मलिगि** के दौरान अपारदर्शी बना देती है, जसिसे **उपज और वाणज्यकि मूल्य दोनों कम** हो जाते हैं।

चावल की गुणवत्ता और अनुकूलता के अन्य प्रमुख आनुवंशकि नरि्धारक:

जीन/मात्रात्मक लक्षण लोकोस (Quantitative Trait Locus)	कार्य (Function)	लक्षण का महत्त्व
Pi54, Pi9	ब्लास्ट रोग प्रतरिोधक क्षमता	व्यापक और सतत् रोग सहनशीलता के लयि प्रजनन (ब्रीडगि) में उपयोग
BADH2	सुगंध नयिंत्रण	सुगंधति चावल के लयि वशिष्टि, प्रीमयिम कस्मिों का सूचक
Sd1	पौधे की ऊँचाई (अर्द्ध-बौना)	हरति क्रांति के लयि केंद्रीय, उपज बढ़ाता है और गरिने (lodging) की समस्या घटाता है
Saltol QTL	लवण सहनशीलता (अंकुरण अवस्था में)	तटीय और लवणीय क्षेत्रों के लयि महत्त्वपूर्ण, स्ट्रेस-रेसलिएिंट कस्मिों के प्रजनन में प्रमुख

चावल:

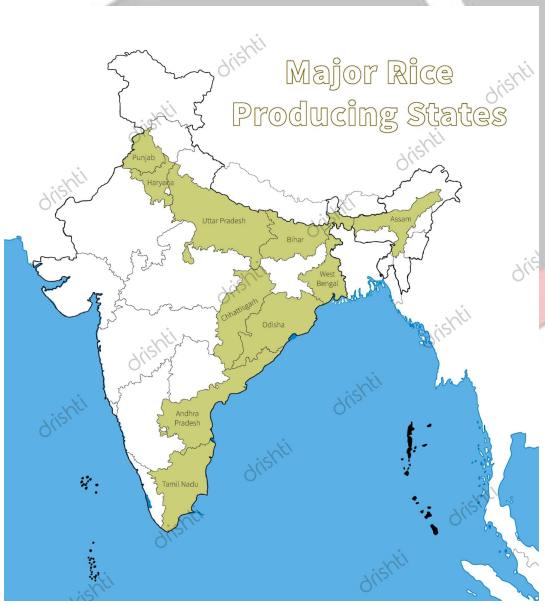

- **चावल** अधकिांश **भारतीयों का मुख्य भोजन** है, जसिकी खेती कुल फसल क्षेत्र के लगभग **25% भाग** पर की जाती है तथा भारत वशि्व स्तर पर चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक तथा वशि्व स्तर पर **चावल का सबसे बड़ा नरि्यातक** भी है।
- यह एक खरीफ फसल है जसिे **उच्च तापमान (>25°C), उच्च आर्द्रता, 75-125 सेमी वर्षा और पर्याप्त धूप की आवश्यकता** होती है। इष्टतम तापमान **30°C दनि/20°C रात** है, जो थोड़े समय के लयि **40°C तक तापमान के अनुकूल** है।
- यह अच्छी जल धारण क्षमता और **जल नकिासी वाली pH 5.5-6.5** वाली मट्टिी में सबसे अच्छी तरह उत्पादति होता है।
- प्रमुख उत्पादक: **पश्चमि बंगाल, उत्तर प्रदेश, पंजाब।**

और पढ़ें....चावल-गेहूँ उत्पादन का पृथक्करण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/genetic-determinants-of-rice-quality-and-resilience